Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 01 October 2024

Dainik Jagran
Page - 04, 05

गोवि में स्टेडियम के बगल में बनेगा 1500 क्षमता वाला प्रेक्षागृह संकुल

प्रस्ताव तैयार

- प्रेक्षागृह के लिए स्थल चिन्हित, 93 हजार वर्गफीट में होगा निर्माण
- कुलपति ने सीएम को दी प्रेक्षागृह के प्रस्ताव तैयार होने की जानकारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में एक और प्रेक्षागृह के निर्माण का प्रस्ताव विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयार कर लिया है। इसके लिए परिसर में स्थान भी चिन्हित कर लिया है। 93 हजार वर्गफीट में 1500 दर्शकों की क्षमता वाले इस प्रेक्षागृह का निर्माण विश्वविद्यालय परिसर में स्टेडियम के बगल में होगा। कुलपति ने प्रस्ताव तैयार होने व स्थल चिन्हित होने की जानकारी देने के लिए सोमवार की सुबह मुख्यमंत्री से गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की। काफी कम अवधि में प्रस्ताव तैयार कराने को लेकर मुख्यमंत्री ने कुलपति की सराहना की और प्रेक्षागृह संकुल में विश्वस्तरीय लाइब्रेरी विकसित करने का सुझाव दिया। बीते दिनों गोरखपुर विश्वविद्यालय में 'समरस समाज के निर्माण में नाथ पंथ का योगदान' संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होने के लिए आए तो सत्र के बाद उन्होंने कुलपति प्रो. पूनम टंडन को सलाह दी कि वह एक ऐसे प्रेक्षागृह संकुल का प्रस्ताव तैयार करें, जो बहुद्देशीय हो। कार्यक्रम में मौजूद प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल को उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय की मदद करने को कहा। मुख्यमंत्री की सलाह से उत्साहित कुलपति ने इसे लेकर तत्काल प्रभाव से तैयारी शुरू कर दी और पखवारे भर के अंदर इसके लिए स्थान चिन्हित कर प्रस्ताव भी तैयार करा लिया। सोमवार को मुख्यमंत्री को मुहर लगने के बाद अब प्रस्ताव को आधिकारिक स्वीकृति व वित्तीय अनुदान के लिए शासन को भेजने की तैयारी है। तैयार प्रस्ताव के मुताबिक प्रेक्षागृह संकुल में 1500 लोगों के बैठने की क्षमता वाले प्रेक्षागृह के अलावा तीन कान्फ्रेंस हाल और एक प्रदर्शनी हाल होगा।

आडोटोरियम व कान्फ्रेंस हाल के लिए 27948 स्क्वायर फिट भूमि चिह्नित की गई है। कैफेटेरिया व पार्किंग का भी समुचित इंतजाम होगा। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में एक अत्याधुनिक सम्पन्न लाइब्रेरी (38427 स्क्वायर फिट) व वाचनालय भी इस संकुल का हिस्सा होगा। गार्डेन व पाथवे के लिए 26998.3 स्क्वायर फिट भूमि चिह्नित की गई है।

"बहुद्देशीय प्रेक्षागृह संकुल का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। प्रस्ताव में इस बात का ध्यान रखा गया है कि क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के अकादमिक संगोष्ठियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मेलनों की मेजबानी विश्वविद्यालय इसमें कर सके। इसे ध्यान में रखकर ही कान्फ्रेंस हाल, प्रदर्शनी हाल और वाचनालय को प्रस्ताव का हिस्सा बनाया गया है। प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने भी स्वीकृति प्रदान कर दी है। कुछ सुझाव दिए हैं, जिसका पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें एक महत्वपूर्ण सुझाव विश्वस्तरीय लाइब्रेरी बनाने का भी है।"
प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी रहे ध्यान : प्रो. पूनम टंडन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा है कि शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा तभी संभव हो सकता है जब हम खुश रहेंगे। कुलपति सोमवार को विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग और अधिष्ठाता छात्र कल्याण के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को संवाद भवन में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

'छात्र की खुशी और कल्याण की वृद्धि' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति ने मनोविज्ञान विभाग के स्वस्ति काउंसिलिंग केंद्र और स्नेह लैब की स्थापना का भी जिक्र किया और इसे लेकर विभाग शिक्षकों के प्रयास की सराहना की। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय की आचार्य प्रो. मधुरिमा प्रधान ने तनाव प्रबंधन पर बल दिया। कहा कि ऐसा खुश रहकर ही संभव हो सकता है। उन्होंने खुश रहने के लिए मन की डोर को थामे रखने की सलाह दी और ध्यान पर बल दिया। एएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा की आचार्य प्रो. आराधना शुक्ला ने कहा कि तनाव हमेशा हानिकारक नहीं होता। उन्होंने मध्यम स्तर का जीवन जीने के लिए मामूली तनाव को आवश्यक बताया। अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने किया। विषय प्रवर्तन विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार और संचालन डा. गरिमा सिंह व डा. रश्मि रानी ने किया।

डा. गिरिजेश कुमार यादव, डा. राम कीर्ति सिंह व डा. अमित त्रिपाठी के नेतृत्व में छात्रों का व्यक्तित्व मापन किया गया। अतिथियों का परिचय डा. प्रियंका गौतम ने कराया। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव, प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, प्रो. मनोज तिवारी, डा. आमोद कुमार राय, डा. अभिषेक शुक्ला, डा. मनीष पांडेय, डा. विस्मिता आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala
Page - 06

1500 क्षमता वाले ऑडिटोरियम में बनेगी विश्वस्तरीय लाइब्रेरी

मुख्यमंत्री से मिले सुझाव के बाद कुलपति ने विश्वस्तरीय लाइब्रेरी बनाने का लिया निर्णय

विश्वविद्यालय में स्टेडियम के बगल में खाली जमीन पर 93 हजार वर्ग फीट में होगा निर्माण

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बनने वाले 1500 दर्शकों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम में विश्वस्तरीय लाइब्रेरी को भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिले सुझाव के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसपर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में स्टेडियम के पास 93 हजार वर्ग फीट में ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाएगा। सोमवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ऑडिटोरियम के लिए तैयार प्रस्ताव की जानकारी दी। इसपर उनके की ओर से विश्वस्तरीय लाइब्रेरी विकसित करने का भी सुझाव दिया गया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में 'समरस समाज के निर्माण में नाथ पंथ का योगदान' संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होने के लिए आए तो सत्र के बाद उन्होंने कुलपति प्रो. पूनम टंडन को सलाह दी कि वह एक ऐसे प्रेक्षागृह संकुल का प्रस्ताव तैयार करें, जो बहुद्देशीय हो।

कार्यक्रम में मौजूद प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल को उन्होंने इसमें विश्वविद्यालय की मदद करने को कहा। मुख्यमंत्री की सलाह पर कुलपति ने इसको लेकर स्थान चिह्नित कर प्रस्ताव भी तैयार करा लिया।

सोमवार को मुख्यमंत्री से मिलकर वीसी ने तैयार प्रस्ताव की जानकारी दी। प्रस्ताव में प्रेक्षागृह संकुल में 1500 लोगों के बैठने की क्षमता वाले ऑडिटोरियम के अलावा तीन कान्फ्रेंस हाल और एक प्रदर्शनी हाल होगा। कैफेटेरिया व पार्किंग का भी इंतजाम होगा। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में एक लाइब्रेरी व वाचनालय भी इस संकुल का हिस्सा होगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि ऑडिटोरियम को लेकर तैयार प्रस्ताव को लेकर मुख्यमंत्री से मिलकर जानकारी दी गई। उनसे मिले सुझाव पर लाइब्रेरी को प्रस्ताव का हिस्सा बनाया जाएगा।

भाषण में हर्ष प्रथम अभिनव रहे द्वितीय

गोरखपुर। डीडीयू के एनएसएस द्वारा सोमवार को शिक्षा संकाय में 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उच्च शिक्षा की भूमिका' विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें हर्ष प्रताप सिंह प्रथम, अभिनव त्रिपाठी द्वितीय तथा प्रतिमा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयोजन शिक्षा संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह ने किया। रासेयो के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने शुभकामनाएं दीं। संचालन डॉ. मीतू सिंह ने किया। प्रो. सुनीता दूबे, प्रो. उदय सिंह, डॉ. ममता चौधरी, डॉ. दुर्गेश पाल आदि मौजूद रहे। संवाद

डीडीयू में तीन दिनों तक होगा साहित्यकारों का संगम

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 4 से 6 अक्तूबर तक केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय है हिन्दी भाषा और साहित्य आलोचना का मूल्य और डॉ रामचन्द्र तिवारी। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल होंगे, जबकि प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे।

पहले दिन के सत्रों में रामचन्द्र तिवारी की स्मृति को समर्पित कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रमुख विद्वान अपनी स्मृतियों को साझा करेंगे। इसके अलावा, रामचन्द्र तिवारी और उनका आलोचना साहित्य विषय पर चर्चा होगी। दूसरे दिन, हिन्दी भाषा वर्तमान और भविष्य तथा हिन्दी-निबन्ध सांस्कृतिक मूल्य पर सत्र आयोजित होंगे। तीसरे दिन, शोध-पत्र वाचन होगा, जिसमें हिन्दी शोध स्थिति और स्वरूप विषय पर भी चर्चा की जाएगी। संवाद

Hindustan
Page - 06

सबसे जरूरी है जीवन में खुश रहना : प्रो. पूनम

गोरखपुर। डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक है। अतः शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी हमारी जिम्मेदारी है।

कुलपति सोमवार को डीएसडब्ल्यू एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संवाद भवन में 'छात्र की खुशी और कल्याण की वृद्धि' विषयक कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उनहोंने स्वस्ति काउंसलिंग केंद्र एवं हैप्पीनेस लैब के तर्ज पर स्नेह लैब के स्थापना का जिक्र किया। मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए मनोविज्ञान विभाग की यह पहल है।मुख्य वक्ता, एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा की प्रो. आराधना शुक्ला ने कहा कि तनाव हमेशा हानिकारक नहीं होता, बल्कि मध्यम स्तर का तनाव जीविका के लिए आवश्यक है।

भाषण में प्रकाश प्रथम, खुशी को दूसरा स्थान

गोरखपुर। डीडीयू के डीएसडब्ल्यू द्वारा सेवा पखवाड़ा के तहत सोमवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एलएलबी के प्रकाश पाण्डेय प्रथम, बीए की खुशी गोंड द्वितीय व शिफा वसीउल्लाह तृतीय रहे। अंकुर मिश्र, आर्या त्रिपाठी, विपुल कुमार व दीपांश त्रिपाठी को सांत्वना पुरस्कार मिला। निर्णायक के रूप में प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा व प्रो पूजा सिंह रहीं। इस मौके पर डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे, संयोजक डॉ. मनीष पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण में शोध की भूमिका महत्वपूर्ण

गोरखपुर। डीडीयू के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना उत्कृष्ट शोध के बिना साकार नहीं हो सकती है। भारत की आत्मनिर्भरता यहां के शोध कार्यों पर ही निर्भर है। शोध एक संगठित प्रक्रिया है जिसमें कुछ निर्दिष्ट पदों का पालन करना अनिवार्य है। प्रो. राजेश सिंह सोमवार को दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शैक्षिक अनुसंधान की भूमिका' विषयक व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

Rashtriya Sahara
Page 06,07

डीडीयू में बनेगा 1500 क्षमता वाला प्रेक्षागृह संकुल

■ सीएम को कुलपति ने प्रेक्षागृह का प्रस्ताव तैयार करने की दी जानकारी

गोरखपुर (एसएनबी)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में एक और प्रेक्षागृह के निर्माण का प्रस्ताव विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयार कर लिया है। इसके लिए परिसर में स्थान भी चिन्हित कर लिया है। 93 हजार वर्गफीट में 1500 दर्शकों की क्षमता वाले इस प्रेक्षागृह का निर्माण विश्वविद्यालय परिसर में स्टेडियम के बगल में होगा।

सोमवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी से मिलने पहुंची और उन्हें ने प्रस्ताव तैयार होने व स्थल चिन्हित किये जाने की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति को प्रेक्षागृह संकुल में विश्वस्तरीय लाइब्रेरी विकसित करने का सुझाव दिया। पिछले दिनों गोविवि. में 'समरस समाज के निर्माण में नाथ पंथ का योगदान' संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुलपति प्रो. पूनम टंडन को विश्वविद्यालय में एक बहुउद्देशीय प्रेक्षागृह संकुल का प्रस्ताव तैयार करने का सुझाव दिया था। जिसे अमल में लाते हुए कुलपति ने इसपर पर तत्काल प्रभाव से तैयारी शुरू कर दी। अब इसके बाद प्रस्ताव को अधिकारिक स्वीकृति व वित्तीय अनुदान के लिए शासन को भेजा जायेगा। तैयार प्रस्ताव के मुताबिक प्रेक्षागृह संकुल में 1500 लोगों के बैठने की क्षमता वाले प्रेक्षागृह के अलावा तीन कान्फ्रेंस हाल और एक प्रदर्शनी हाल होगा। कैफेटेरिया व पार्किंग का भी समुचित इंतजाम होगा। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में एक अत्याधुनिक सम्पन्न लाइब्रेरी व वाचनालय भी इस संकुल का हिस्सा होगा।

डीडीयू में तीन दिनों तक रहेगा साहित्यकारों का संगम

गोरखपुर (एसएनबी)। गोविवि. में 4 अक्टूबर से केन्द्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'हिन्दी भाषा और साहित्य: आलोचना का मूल्य और डॉ. रामचन्द्र तिवारी' विषय पर संवाद भवन में राष्ट्रीय संगोष्ठी का त्रिदिवसीय आयोजन होगा। इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल होंगे जबकि प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी पूर्व अध्यक्ष साहित्य अकादमी मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी, निदेशक, केन्द्रीय हिंदी-निदेशालय विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी।

संगोष्ठी का पहला सत्र रामचन्द्र तिवारी की स्मृति को समर्पित रहेगा। जिसमें उपस्थित वक्तागण प्रो. अनंत मिश्र, प्रो. अमरनाथ शर्मा, प्रो. रामदरश राय, कथाकार नवनीत मिश्र एवं डॉ.धर्मव्रत तिवारी अपनी स्मृतियों को साझा करेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. रामदेव शुक्ल करेंगे। द्वितीय सत्र जिसका विषय है 'रामचन्द्र तिवारी और उनका आलोचना साहित्य'। इस सत्र में प्रो. टी.वी. कट्टीमनी (विजयनगरम), प्रो अरविन्द त्रिपाठी, डॉ. वेदप्रकाश पांडेय, प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ. प्रेमव्रत तिवारी वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी का समापन सत्र 6 अक्टूबर, 2024 को 12 बजे से आरंभ होगा। जिसमें प्रो. सुरेन्द्र दुबे उपाध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मण्डल शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि रहेंगे। संगोष्ठी 4, 5 एवं 6 अक्टूबर तक चलेगी।

रसायन विभाग में रिसर्च असिस्टेंट को विद्यार्थी कर सकेंगे आवेदन

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आलोक कुमार सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों से बचाव के लिए रासायनिक सेंसर डिवाइस पर तीन वर्षों तक शोध कार्य के लिए शोध परियोजना को स्वीकृति दी है। इस परियोजना के तहत रिसर्च असिस्टेंट के पद के लिए छात्र एवं छात्रा आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

Amar Ujala Select
Page 02, 04

जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक : प्रो. पूनम टंडन

डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग की ओर से संवाद भवन में हुई कार्यशाला

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संवाद भवन में "छात्र की खुशी और कल्याण की वृद्धि" विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक है। अतः शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। आज के समसामयिक समाज में परामर्श को स्टिग्मा के रूप में समझना गलत है। उन्होंने मनोविज्ञान विभाग की प्रशंसा करते हुए छात्रों के हित में स्वस्ति काउन्सलिंग केंद्र एवं हैप्पीनेस लैब के तर्ज पर स्नेह लैब के स्थापना का जिक्र किया।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत के साथ हुआ। विषय प्रवर्तन करते हुए मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने कहा कि जहां हमारा विश्वविद्यालय प्रत्येक क्षेत्र में छात्र हित की ओर कार्य कर रहा है, वहीं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए मनोविज्ञान विभाग की यह पहल है जिसे "स्टूडेंट वेल बिइंग इंटीएटीव" का नाम दिया गया है। इसके अंतर्गत छात्रों में मानसिक समस्याओं की पहचान कर उनके निवारण तथा विद्यार्थियों के वेल बिइंग को बढ़ावा देना है।

मुख्य वक्ता, एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा की प्रो. आराधना शुक्ला ने तनाव प्रबंधन पर अपना विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तनाव हमेशा हानिकारक नहीं होता, अपितु मध्यम स्तर का तनाव जीविका के लिए आवश्यक है। तनाव प्रबंधन के तकनीकों की बात करते हुए उन्होंने स्व को महत्व देने पर जोर डाला।

राष्ट्र निर्माण में शोध की भूमिका महत्वपूर्ण

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना उत्कृष्ट शोध के बिना साकार नहीं हो सकती है। भारत की आत्मनिर्भरता यहां के शोध कार्यों पर ही निर्भर है। शोध एक संगठित प्रक्रिया है जिसमें कुछ निर्दिष्ट पदों का पालन करना अनिवार्य है। प्रो. राजेश सिंह सोमवार को दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शैक्षिक अनुसंधान की भूमिका' विषयक व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विषयों में अधिकांशतः मौलिक एवं प्रयोगात्मक अनुसंधान होते हैं, जबकि मानविकी विषयों में वर्णनात्मक एवं ऐतिहासिक अनुसंधान होते हैं।

भाषण में हर्ष प्रथम, अभिनव रहे द्वितीय

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के एनएसएस द्वारा सोमवार को शिक्षा संकाय में 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उच्च शिक्षा की भूमिका' विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें हर्ष प्रताप सिंह प्रथम, अभिनव त्रिपाठी द्वितीय तथा प्रतिमा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयोजन शिक्षा संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह ने किया। रासेयो के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह ने शुभकामनाएं दीं। संचालन डॉ. मीतू सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रो. सुनीता दूबे, प्रो. उदय सिंह, डॉ. ममता चौधरी, डॉ. दुर्गेश पाल आदि मौजूद रहे।

डीडीयू में तीन दिनों तक होगा साहित्यकारों का संगम

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 4 से 6 अक्तूबर तक केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय है हिन्दी भाषा और साहित्य आलोचना का मूल्य और डॉ रामचन्द्र तिवारी। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल होंगे, जबकि प्रो विश्वनाथ प्रसाद तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। पहले दिन के सत्रों में रामचन्द्र तिवारी की स्मृति को समर्पित कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रमुख विद्वान अपनी स्मृतियों को साझा करेंगे।

Inext Page - 01, 04

डीडीयू में बनेगा 1500 क्षमता वाला प्रेक्षागृह संकुल

सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर गोरखपुर यूनिवर्सिटी कैंपस में एक और प्रेक्षागृह के निर्माण का प्रस्ताव यूनिवर्सिटी प्रशासन ने तैयार कर लिया है. इसके लिए कैंपस में जगह भी चिन्हित कर ली गई है. 93 हजार वर्गफिट में 1500 दर्शकों की क्षमता वाले इस प्रेक्षागृह का निर्माण यूनिवर्सिटी परिसर में स्टेडियम के बगल में होगा. कुलपति ने प्रस्ताव तैयार होने व जगह चिन्हित होने की जानकारी देने के लिए सोमवार की सुबह मुख्यमंत्री से गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की. काफी कम समय में प्रस्ताव तैयार करने को लेकर मुख्यमंत्री ने कुलपति की सराहना की.

Aaj

जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक है-प्रो. पूनम टंडन

गोरखपुर,३०सितम्बर। मनोविज्ञान विभाग द्वारा , अधिष्ठाता छात्र कल्याण के संयुक्त तत्वाधान में आज दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में छात्र की खुशी और कल्याण की वृद्धि विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।. मनोविज्ञान विभाग के विजन प्लान के अंतर्गत यह पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया है . कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत के साथ हुआ तत्पश्चात अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रोफेसर अनुभूति दूबे ने मुख्य अतिथियों एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया. कार्यक्रम का औपचारिक आरम्भ प्रोफेसर पूनम टंडन, कुलपति, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के उद्बोधन द्वारा हुआ. अपने उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक है. अत: शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है . आज के समसामयिक समाज में परामर्श को स्टिग्मा के रूप में समझना गलत है .इसी कड़ी में प्रो. टंडन ने मनोविज्ञान विभाग की प्रशंसा करते हुए छात्रों के हित में स्वस्ति काउन्सलिंग केंद्र एवं हैप्पीनेस लैब के तर्ज पर स्नेह लैब के स्थापना का जिक्र किया.तत्पश्चात कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए, प्रो. धनञ्जय कुमार, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग ने कहा कि जहाँ हमारा विश्वविद्यालय प्रत्येक क्षेत्र में छात्र हित की ओर कार्य कर रहा है , वहीं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने हेतु मनोविज्ञान विभाग की यह पहल है जिसे नाम दिया गया है . इसके अंतर्गत छात्रों में मानसिक समस्याओं की पहचान कर उनके निवारण तथा विद्यार्थियों के 2द्द्वद्व-इुद्द्वइुद्द को बढ़ावा देना है .कार्यक्रम में दोनों मुख्य वक्ता का परिचय डॉ. प्रियंका गौतम द्वारा किया गया। जिसके पश्चात उन्होंने अपना उद्बोधन दिया. मुख्य वक्ता, प्रोफेसर आराधना शुक्ला, स. स.छ. विश्वविद्यालय, अल्मोरा ने तनाव प्रबंधन पर अपने विचार प्रस्तुत किये. तनाव हमेशा हानिकारक नहीं होता , अपितु माध्यम स्तर का तनाव जीविका हेतु आवश्यक है। तनाव प्रबंधन के तकनीकों की बात करते हुए प्रो. शुक्ला ने स्व को महत्व देने पर जोर डाला . प्रोफेसर शुक्ला ने यह बताया कि कभी-कभी ना (हह) कहना आपके हित में होता है क्यूंकि लोग आपकी अनुमति से ही आपका फायदा उठाते है। प्रो. मधुरिमा प्रधान, लखनऊ विश्वविद्यालय, ने अपने वक्तव्य में शुरुआत में तनाव प्रबंधन में खुद को बुलंद रखने के बात कही। उन्होंने कहा कि मन ही खुशी का आधार है, एवं खुशी में 40 प्रतिशत हिस्सा हमारे अपने निर्णयों का है। खुशी को प्राप्त करने हेतु मन की डोरी को थामने की बात रखी, जहाँ उन्होंने मैडिटेशन के महत्व को इंगित किया। उनके अनुसार मैडिटेशन एक स्टेट या स्थिति है जिसे प्राप्त करने हेतु हमे उसके तत्वों पर ध्यान देना होगा। ठीक उसी प्रकार से जैसे एक फूल की प्राप्ति हेतु हमें पौधों को लगाना एवं सींचना होता है। मुख्य वक्ता के उद्बोधन के पश्चात मनोविज्ञान विभाग के डॉ गिरिजेश कुमार यादव, डॉ राम कीर्ति सिंह एवं डॉ अमित त्रिपाठी के नेतृत्व में छात्रों का व्यक्तित्व मापन कर उन्हें मनोकुंडली प्रदान किया गया ।

❖ कभी-कभी ना कहना आपके हित में होता है क्यूंकि लोग आपकी अनुमति से ही आपका फायदा उठाते है-प्रो. आराधना शुक्ला

Swatantra Chetna
Page 02, 05

जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक है: प्रो. पूनम टंडन

- कभी-कभी नो कहना आपके हित में होता है। प्रो. आराधना शुक्ला
- खुशी को प्राप्त करने हेतु मन की डोरी को थामना आवश्यक। प्रो. मधुरिमा प्रधान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा , अधिष्ठाता छात्र कल्याण के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को संवाद भवन में छात्र की खुशी और कल्याण की वृद्धि विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मनोविज्ञान विभाग के विजन प्लान के स्टूडेंट्स वेल-बीइंग इनिशिएटिव के अंतर्गत यह पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत के साथ हुआ, तत्पश्चात अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रोफेसर अनुभूति दूबे ने मुख्य अतिथियों एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ कुलपति प्रो पूनम टंडन के उद्बोधन द्वारा हुआ। कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में खुश रहना सर्वाधिक आवश्यक है, अतः शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। आज के समसामयिक समाज में परामर्श को स्टिग्मा के रूप में समझना गलत है।

कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने कहा कि जहाँ हमारा विश्वविद्यालय प्रत्येक क्षेत्र में छात्र हित की ओर कार्य कर रहा है, वहीं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने हेतु मनोविज्ञान विभाग की यह पहल है जिसे स्टूडेंट्स वेल-बीइंग इनिशिएटिव का नाम दिया गया है। इसके अंतर्गत छात्रों में मानसिक समस्याओं की पहचान कर उनके निवारण तथा विद्यार्थियों के वेल-बीइंग को बढ़ावा देना है।

मुख्य वक्ता के उद्बोधन के पश्चात मनोविज्ञान विभाग के डॉ गिरिजेश कुमार यादव, डॉ राम कीर्ति सिंह एवं डॉ अमित त्रिपाठी के नेतृत्व में छात्रों का व्यक्तित्व मापन कर उन्हें मनोकुंडली प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ गरिमा सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ रश्मि रानी द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय साहित्यकारों से तीन दिनों तक रहेगा गुलजार

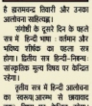

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्वविद्यालय, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित हिन्दी भाषा और साहित्य: आलोचना का मूल्य और डॉ. रामचन्द्र तिवारी विषय पर आगामी 4,5,6 अक्टूबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के संवाद-भवन में आयोज्य इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल शिमला रहेंगे। साहित्य अकादेमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रो० सुनील बाबूराव कुलकर्णी, निदेशक, केन्द्रीय हिंदी-निदेशालय बतौर विशिष्ट अतिथि उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो० पूनम टंडन करेंगी।

संगोष्ठी का पहला सत्र रामचन्द्र तिवारी की स्मृति को समर्पित रहेगा। द्वितीय सत्र जिसका विषय है रामचन्द्र तिवारी और उनका आलोचना साहित्य।

संगोष्ठी के दूसरे दिन के पहले सत्र में हिन्दी भाषा : वर्तमान और भविष्य शीर्षक का पहला सत्र होगा। द्वितीय सत्र हिन्दी-निबन्ध: सांस्कृतिक मूल्य विषय पर केन्द्रित रहेगा।

तृतीय सत्र में हिन्दी आलोचना का स्वरूप (आरम्भ से छायावाद तक) विषय पर केन्द्रित रहेगा। चतुर्थ सत्र हिन्दी आलोचना का स्वरूप (छायावाद के बाद), विषय पर केन्द्रित होगा।

संगोष्ठी के तीसरे दिन को शोध-पत्र वाचन का सत्र होगा। दूसरा सत्र हिन्दी शोध: स्थिति और स्वरूप विषय पर आयोजित होगा।संगोष्ठी का समापन सत्र 6 अक्टूबर को 12 बजे से आरंभ होगा। जिसमें प्रो. सुरेन्द्र दुबे उपाध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मण्डल शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार बतौर मुख्य अतिथि रहेंगे।

स्वयंसेवकों ने अस्पताल की ...

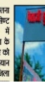

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। सेन्ट ऐण्ड्रयूज कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सोमवार को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत जिला ...

सेंसर डिवाइस शोध परियोजना को मिली स्वीकृति

☐ रिसर्च असिस्टेंट के लिए 10 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं अभ्यर्थी

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आलोक कुमार सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों से बचाव के लिए रासायनिक सेंसर डिवाइस पर तीन वर्षों तक शोध कार्य के लिए शोध परियोजना को स्वीकृति दी है। इस परियोजना के तहत रिसर्च असिस्टेंट के पद हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। रिसर्च असिस्टेंट पद के लिए योग्यता, आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है, अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

Super Fast Times

आत्मनिर्भर भारत पर भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भाषण प्रतियोगिता में प्रकाश पांडेय प्रथम,खुशी गोंड द्वितीय और शिफा वसीउल्लाह तृतीय

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर संवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। संवाद कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत के पांच आयामों अर्थव्यवस्था,बुनियादी ढांचे,जीवंत जनसांख्यिकी और व्यवस्था पर गहन चर्चा हुई। भाषण प्रतियोगिता में कुल 32 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया,जबकि संवाद कार्यक्रम में करीब 100 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रो० वीना बत्रा कुशवाहा और प्रो० पूजा सिंह ने निर्णायक मंडल में बतौर निर्णायक प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन कुल चार आधारों पर किया गया,जिसमें विषय वस्तु,आवाज की स्पष्टता,बॉडी लैंग्वेज और समय प्रबंधन शामिल थे। विजयी प्रतिभागियों को गांधी जयंती के अवसर पर संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। अन्य सभी विद्यार्थियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० अनुभूति दुबे ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया और उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि चिंतन क्षमता एवं व्यक्तित्व के विकास में भाषण प्रतियोगिता एवं संवाद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आत्मनिर्भर भारत अभियान नए भारत की परिकल्पना है। इसका उद्देश्य देश एवं उसके नागरिकों को हर तरह से स्वतंत्र एवं स्वावलंबी बनाना है। भाषण एवं संवाद प्रतियोगिता से पता चला कि इस दिशा में विद्यार्थियों की सोच बहुत ही सराहनीय एवं दूरदर्शी है। कार्यक्रम में डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. लक्ष्मी मिश्रा, डॉ. आशीष शुक्ला, डॉ. प्रदीप साहनी, सर्वेश कुमार, प्रियंका गौतम, डॉ. आरती यादव, डॉ. संदीप यादव, डॉ. रितु सागर, डॉ. राहुल मिश्रा, डॉ. गीता सिंह, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. प्रियंका पांडेय आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में होगा साहित्यकारों का तीन दिवसीय समागम

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित गोरखपुर विश्वविद्यालय में 4,5 एवं 6 अक्टूबर को ॥हिन्दी भाषा एवं साहित्य: आलोचना का मूल्य एवं डॉ० रामचन्द्र तिवारी॥ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल होंगे। साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी मुख्य वक्ता रहेंगे । केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के निदेशक प्रो० सुनील बाबूराव कुलकर्णी विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो० पूनम टंडन करेंगी। संगोष्ठी का पहला सत्र रामचन्द्र तिवारी की स्मृति को समर्पित होगा। जिसमें उपस्थित वक्ता प्रो. अनंत मिश्र,प्रो० अमरनाथ शर्मा, प्रो० रामदरश राय,कथाकार नवनीत मिश्र और डॉ० धर्मव्रत तिवारी अपनी यादें साझा करेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो० रामदेव शुक्ल करेंगे। दूसरा सत्र 'रामचंद्र तिवारी और उनका आलोचनात्मक साहित्य' विषय पर होगा। इस सत्र में प्रो० टी०वी० कट्टीमनी (विजयनगरम), प्रो० अरविंद त्रिपाठी, डॉ० वेदप्रकाश पांडेय, प्रो० अनिल कुमार राय, डॉ० प्रेमव्रत तिवारी वक्ता होंगे।